भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 146

गुरूवार, 29 जनवरी, 2026/09 माघ, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

विदेशी पर्यटकों के आगमन का पर्यटन क्षेत्र पर प्रभाव

146 श्री मोहम्मद नदीमुल हक़:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) भारत में विदेशी पर्यटकों के आगमन की दृष्टि से शीर्ष पाँच राज्य कौन-से हैं;

(ख) भारत द्वारा जी-20 शिखर सम्मेलन की मेज़बानी से वैश्विक मंच पर व्यापक दृश्यता प्राप्त होने के बावजूद, वर्ष 2024 में विदेशी पर्यटकों का आगमन वर्ष 2019 के स्तर से कम बने रहने के क्या कारण हैं;

(ग) क्या बजट 2025-26 में विदेशों में प्रचार-प्रसार तथा बाज़ार विकास सहायता (एमडीए) के अंतर्गत आवंटित धनराशि में उल्लेखनीय कमी की गई है;

(घ) क्या मंत्रालय द्वारा यह विश्लेषण किया गया है कि प्रतिस्पर्धी देशों ने विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के क्षेत्र में अपेक्षाकृत तीव्र पुनरुद्धार किस प्रकार प्राप्त किया है; और

(ङ) क्या इस ठहराव के कारण रोजगार पर पड़ने वाले प्रभावों में, विशेष रूप से महिलाओं एवं ग्रामीण पर्यटन कार्यक्रमों के संदर्भ में, किसी प्रकार की समीक्षा की गई है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): मंत्रालय द्वारा आप्रवासन ब्यूरो (बीओआई) से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर वार्षिक पर्यटन आंकड़े संकलित किए जाते हैं, जिनमें भारत में आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या शामिल होती है। मंत्रालय देश के भीतर विदेशी पर्यटकों की यात्रा के पैटर्न या गंतव्यों का पृथक रूप से विवरण नहीं रखता है।

राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों द्वारा विदेशी पर्यटकों की यात्रा पर उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024 में सबसे अधिक विदेशी पर्यटक यात्री प्राप्त करने वाले शीर्ष पांच राज्य महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, गुजरात, उत्तर प्रदेश और राजस्थान थे।

(ख): वर्ष 2024 में भारत में विदेशी पर्यटक आगमन (एफटीए) की संख्या 9.95 मिलियन रही, जो वर्ष 2023 की तुलना में 4.52% की वृद्धि और वर्ष 2019 (जो महामारी से पहले का अंतिम मानक वर्ष है) की तुलना में 8.95% की कमी दर्शाती है। यह आंकड़े विभिन्न क्षेत्रीय डायनमिक्स को दर्शाते हैं, जिसमें कुछ क्षेत्र कोविड-पूर्व के स्तरों से आगे निकल गए हैं जबकि अन्य अभी भी पीछे हैं। हालांकि, अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों का आगमन वर्ष 2023 में ही 2019 के 17.91 मिलियन के आंकड़े को पार कर गया है। वर्ष 2023 में आईटीए 18.89 मिलियन था और वर्ष 2024 में यह बढ़कर 20.57 मिलियन हो गया।

(ग): जी नहीं। विदेशी संवर्धन एवं प्रचार की पुनर्गठित योजना (आरएसओपीपी) के अंतर्गत पिछले वर्ष और वर्तमान वर्ष के दौरान अंतर्राष्ट्रीय संवर्धन एवं बाजार विकास सहायता के लिए आवंटित निधियों का विवरण निम्नानुसार है:

2024-25 - संशोधित अनुमान - 33.00 करोड़ रुपये

2025-26 - संशोधित अनुमान - 43.48 करोड़ रुपये

(घ): वर्ष 2024 में, अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों के संदर्भ में भारत की वैश्विक रैंकिंग 20वीं थी, जिसमें 20.57 मिलियन पर्यटक आए, जो वर्ष 2019 की तुलना में 14.85% की वृद्धि दर्शाता है। अन्य देशों की तुलना में, भारतीय पर्यटन क्षेत्र की बहाली धीमी नहीं थी, जैसा कि तालिका में देखा जा सकता है।

अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक आगमन (मिलियन में)			
क्षेत्र/उप क्षेत्र	**2019**	**2024***	**परिवर्तन (%) 24/19**
विश्व	1466	1465	-0.07
एशिया और प्रशांत क्षेत्र	362.1	317.5	-12.32
दक्षिण एशिया	59.2	59.6	0.68
भारत	17.91	20.57	14.85

(ङ): तृतीय पर्यटन सेटेलाइट अकाउंट और आवधिक श्रम बल सर्वेक्षणों पर आधारित अनुमानों के अनुसार, पर्यटन क्षेत्र में रोजगार (प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष) वर्ष 2018-19 में 75.85 मिलियन से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 84.63 मिलियन हो गया है। पर्यटन क्षेत्र में रोजगार का लिंग-वार और ग्रामीण तथा शहर-वार अनुमान मंत्रालय के पास उपलब्ध नहीं है।

****